

# Legal Awareness Conference on Law and Morality: With Special Reference to Surrogacy

held on 28<sup>th</sup> June, 2011

A legal awareness conference on Law and Morality with special reference to Surrogacy was held at Judicial Academy on 28-6-11 by Jharkhand State Legal Services Authority in association with Judicial Academy, Jharkhand.

Hon'ble Dr. Justice B.S Chauhan, Judge, Supreme Court of India was the Chief Guest of the Programme, The Conference was presided by Hon'ble Mr. Justice Prakash Tatia, Acting Chief Justice, Jharkhand High Court and Patron in Chief, JHALSA. Hon'ble Mrs. Justice Poonam Srivastav, Judge, Jharkhand High was the Guest of Honour. The programme was also attended by Hon'ble Judges of Jharkhand High Court and other dignitaries.

In the said conference Hon'ble Dr. Justice BS Chauhan stressed the need for effective law on Surrogacy. His Lordship discussed the matter of Surrogacy in relation to Indian context. Surrogate mothers are cheaper in India in relation to foreign countries and as such it attracts the foreigners towards India It was highlighted by His Lordship

that in absence of specific laws on the subject, the women are becoming victim in the matter of surrogacy contract. The Hon'ble Judges expressed their views that awareness need to be spread on surrogacy to avoid any exploitation of the surrogate.



Hon'ble Dr. Justice B.S. Chauhan, Judge, Supreme Court of India, lighting the lamp



Hon'ble Dr. Justice B.S. Chauhan, Judge Supreme Court of India, addressing the participants



Hon'ble Mr. Justice Prakash Tatia, Acting Chief Justice, Jharkhand High Court, addressing the participants



Hon'ble Mrs. Justice Poonam Srivastav, Judge, Jharkhand High Court & Chairman, HCLSC, addressing the participants



Hon'ble Judges of Jharkhand High Court, attending the programme.



दैनिक भास्कर रांची, बुधवार, 29 जून 2011

## सेरगेट मदर को मिले सम्मान

किराये की कोख, कलकत्ता व नैतिकता विषयक जर्नलिस्ट एकेडमी सेमिनार में जस्टिस चौहान ने रखे विचार

सेरगेट मदर का शोषण  
रांची में किराये की कोख का शोषण

समाचार गुप्त | रांची

रांची में सेरगेट मदर को सम्मान देने के लिए किराये की कोख का शोषण पर एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें जस्टिस चौहान ने मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया।



सेमिनार में भाग ले रहे जस्टिस चौहान, जस्टिस प्रमोद ठाकुर, जस्टिस जयदेव शर्मा व अन्य।

### यथा है सेरगेट मदर

जस्टिस चौहान की अध्यक्षता में, रांची में किराये की कोख का शोषण पर एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें जस्टिस चौहान ने मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया।

हिन्दुस्तान रांची, बुधवार, 29 जून 2011

## कोख देने वाली महिला का शोषण न हो

रांची | संवाददाता

झारखंड विधि सेवा प्राधिकरण के जजिस्ट्रियल अकादमी सभागार में भगतवत्सल की किराये की कोख : कानून एवं नैतिकता विषय पर सेमिनार का आयोजन किया गया। इसमें सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति डॉ. बीएस चौहान ने यथैव मुख

### उभरे विचार

- किराये की कोख का दुरुपयोग नहीं होना चाहिए
- कोख देने वाली महिला के हितों की रक्षा की जाए
- इसके लिए प्रभावी कानून बने

न्यायमूर्ति आरके मेरिटिया, न्यायमूर्ति पूनम ओवास्तव, महाधिवक्ता अनिल कुमार सिन्हा, झारखंड बार काउंसिल के अध्यक्ष पीसी त्रिपाठी ने भी विचार रखे। संचालन प्राधिकरण के सचिव बीके गोस्वामी ने किया। मौके पर अधिवक्ता और विधि के छात्र भी मौजूद थे।

किराये की मां का अर्थ

किराये की कोख भारत में सस्ता है।

ददाता = रांची

शोषण नहीं हो। हालांकि यह झारखंड में

## प्रभात खबर

रांची, बुधवार, 29 जून, 2011

किराये की मां : कानून व नैतिकता विषय पर सम्मेलन

## प्रगतिशील व प्रभावी कानून बने : चौहान



किराये की कोख भारत में सस्ता है।

ददाता = रांची

शोषण नहीं हो। हालांकि यह झारखंड में



Mr. Ravi Nath Verma, Director, Judicial Academy Jharkhand Addressing the participants



Judicial Officers and other participants of the conference.



Law Students interacting with the Hon'ble Dignitaries.